समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

“लाडली बहन योजना” के लाभार्थियों के लिए अब E-KYC अनिवार्य, सरकार ने जारी की नई गाइडलाइन

Publisher

Published on 25 Aug 2025

महाराष्ट्र सरकार की महिला कल्याणकारी “**लाडली बहन योजना**” से जुड़ी महिलाओं के लिए अब **E-KYC (इलेक्ट्रॉनिक-Know Your Customer)** कराना अनिवार्य कर दिया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि योजना का लाभ केवल उन्हीं महिलाओं को मिलेगा जिन्होंने निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी E-KYC प्रक्रिया पूरी कर ली है।

यह कदम **पारदर्शिता सुनिश्चित करने और फर्जी लाभार्थियों को रोकने** के उद्देश्य से उठाया गया है।

योजना का उद्देश्य

“लाडली बहन योजना” महाराष्ट्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है। इसका मुख्य लक्ष्य है—

- गरीब और निम्न वर्गीय परिवारों की महिलाओं को आर्थिक सहयोग देना।
- महिलाओं की सामाजिक व आर्थिक स्थिति मज़बूत करना।
- महिला सशक्तिकरण को गति देना।

इस योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह **आर्थिक सहायता सीधे बैकं खाते मे** दी जाती है।

क्यों ज़रूरी है E-KYC?

सरकार का कहना है कि E-KYC प्रक्रिया से योजना और अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनेगी।

1. **फर्जीवाड़े पर रोक** – आधार और बैंक विवरण से लाभार्थी की सही पहचान होगी।

2. **सीधा DBT ट्रांसफर** – पैसे सीधे लाभार्थी के खाते में पहुँचेंगे।
3. **सटीक डेटा** – सरकार के पास पात्र महिलाओं का अद्यतन डाटाबेस होगा।
4. **नियमित मॉनिटरिंग** – योजना की प्रगति को ट्रैक करना आसान होगा।

E-KYC की प्रक्रिया कैसे पूरी करे ?

लाभार्थियों के लिए सरकार ने कई विकल्प उपलब्ध कराए हैं:

- **CSC (कॉमन सर्विस सेटंर)** या **लोकसेवा केद्रं** पर जाकर आधार आधारित KYC कराई जा सकती है।
- **बैकं शाखाओं** में भी यह सुविधा उपलब्ध होगी।
- ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार द्वारा **विशेष शिविर** आयोजित किए जाएंगे।

E-KYC के लिए महिला को **आधार कार्ड, बैकं पासबुक और मोबाइल नंबर** साथ लेकर जाना होगा।

किसे कराना होगा E-KYC?

- योजना से जुड़ी सभी **पुरानी लाभार्थी महिलाएँ**।
- नई आवेदक महिलाएँ जो हाल ही में योजना में जुड़ी हैं।
- जिनके बैंक खाते आधार से लिंक नहीं हैं या जिन्होंने अभी तक KYC नहीं कराई।

समय सीमा और चेतावनी

सरकार ने महिलाओं से कहा है कि वे **निर्धारित अवधि** के भीतर E-KYC प्रक्रिया पूरी कर लें।

- समय सीमा अभी 2–3 महीने तय की गई है।
- अगर कोई महिला इस अवधि में प्रक्रिया पूरी नहीं करती है तो उसके खाते में आने वाला **योजना का लाभ रोक दिया जाएगा।**

अब तक का प्रभाव

“लाडली बहन योजना” ने महाराष्ट्र की लाखों महिलाओं को सीधे आर्थिक सहयोग पहुँचाया है।

- ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में महिलाओं ने इस राशि का उपयोग बच्चों की पढ़ाई, घरेलू ख़र्च और छोटे व्यापार शुरू करने में किया है।
- योजना ने महिलाओं की **आर्थिक स्वतंत्रता** और **परिवारिक योगदान** को बढ़ावा दिया है।

विपक्ष की प्रतिक्रिया

विपक्षी दलों ने सरकार के इस फैसले पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि—

- ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में तकनीकी सुविधाओं की कमी है।
- कई महिलाओं के पास स्मार्टफोन या आधार लिंक बैंक खाता नहीं है।

सरकार का जवाब है कि **शिविरों और CSC केद्रों के माध्यम से सभी महिलाओं को आसानी से सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।**

चुनौतियाँ

- ग्रामीण इलाकों में **इंटरनेट और तकनीकी अवसंरचना** की कमी।
- वृद्ध या अशिक्षित महिलाओं को प्रक्रिया समझाने में कठिनाई।
- बड़ी संख्या में लाभार्थियों के कारण लंबा समय लग सकता है।

सरकार का कहना है कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए **प्रशिक्षित कर्मचारियों और डिजिटल हेल्प डेस्क** की व्यवस्था की जाएगी।

सरकार की अपील

महाराष्ट्र सरकार ने सभी लाभार्थियों से समय पर E-KYC प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।
एक मंत्री ने कहा—

“[illegible] E-KYC [illegible]”

महाराष्ट्र की “लाडली बहन योजना” महिलाओं के लिए आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में अहम कदम साबित हो रही है। E-KYC की अनिवार्यता इसे और अधिक **पारदर्शी और प्रभावी** बनाएगी।

हालाँकि, सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीकी या ग्रामीण चुनौतियों के कारण कोई भी महिला इस योजना से वंचित न हो।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.